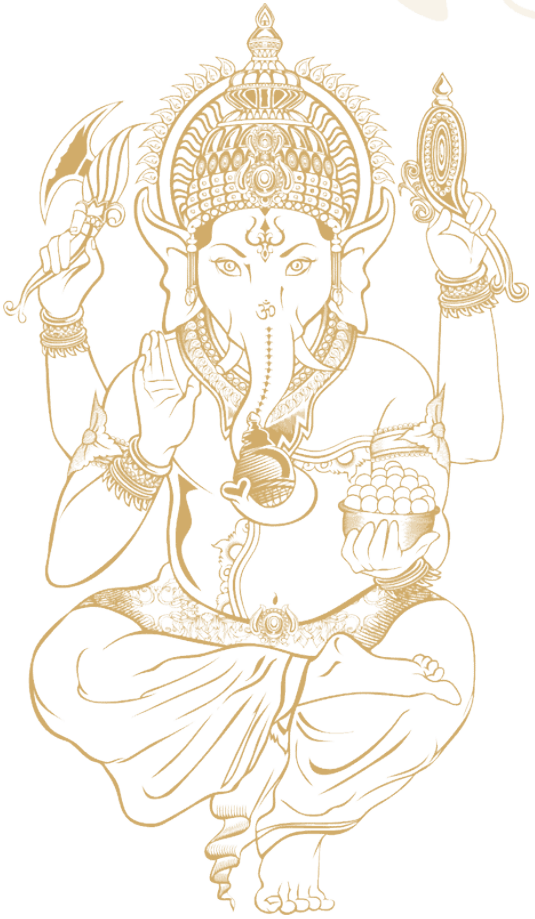

Mr.

18 Aug 1992

08:00 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121544408

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/08/1992**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:00:00 घंटे**
इष्ट	06:15:54 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:03:32 घंटे
वेलान्तर	-00:03:49 घंटे
साम्पातिक काल	05:50:22 घंटे
सूर्योदय	05:29:38 घंटे
सूर्यास्त	18:30:24 घंटे
दिनमान	13:00:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:38:26 सिंह
लग्न के अंश	04:05:25 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शूल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-दौलत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:05:25	322:51:27	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			सिंह	01:38:26	00:57:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	23:03:54	12:13:25	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृष	20:59:04	00:38:18	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध			कर्क	13:42:05	00:36:10	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	24:48:28	00:12:24	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	19:33:59	01:13:46	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	20:35:06	00:04:22	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	05:06:26	00:06:55	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	नीच राशि
केतु	व		मिथु	05:06:26	00:06:55	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	20:47:49	00:01:38	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		धनु	22:50:39	00:01:10	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	26:29:00	00:00:37	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	04:02:05	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:33

लग्न-चलित

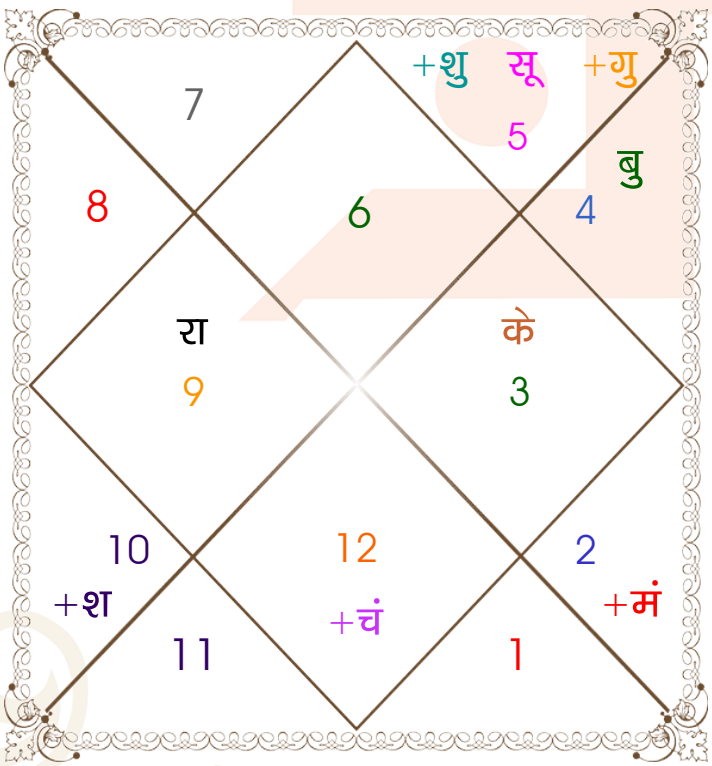

चन्द्र कुंडली

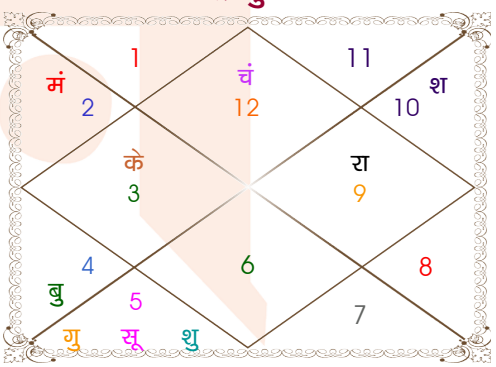

नवमांश कुंडली

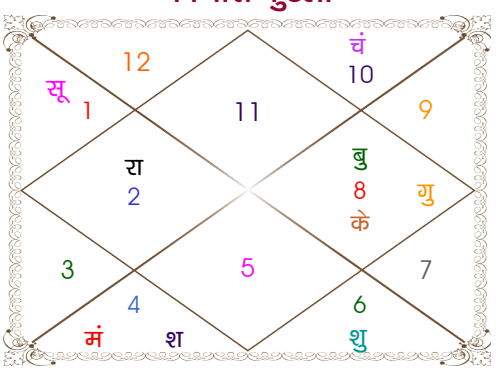

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 8 वर्ष 10 मास 3 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/08/1992		21/06/2001		21/06/2008		21/06/2028		22/06/2034	
21/06/2001		21/06/2008		21/06/2028		22/06/2034		21/06/2044	
	00/00/0000	केतु	18/11/2001	शुक्र	22/10/2011	सूर्य	09/10/2028	चंद्र	22/04/2035
	00/00/0000	शुक्र	18/01/2003	सूर्य	21/10/2012	चंद्र	09/04/2029	मंगल	21/11/2035
	00/00/0000	सूर्य	26/05/2003	चंद्र	22/06/2014	मंगल	15/08/2029	राहु	22/05/2037
	18/08/1992	चंद्र	25/12/2003	मंगल	22/08/2015	राहु	10/07/2030	गुरु	21/09/2038
चंद्र	21/12/1992	मंगल	22/05/2004	राहु	22/08/2018	गुरु	28/04/2031	शनि	21/04/2040
मंगल	18/12/1993	राहु	09/06/2005	गुरु	22/04/2021	शनि	09/04/2032	बुध	21/09/2041
राहु	06/07/1996	गुरु	16/05/2006	शनि	21/06/2024	बुध	14/02/2033	केतु	22/04/2042
गुरु	12/10/1998	शनि	25/06/2007	बुध	22/04/2027	केतु	21/06/2033	शुक्र	22/12/2043
शनि	21/06/2001	बुध	21/06/2008	केतु	21/06/2028	शुक्र	22/06/2034	सूर्य	21/06/2044

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/06/2044		22/06/2051		21/06/2069		21/06/2085		22/06/2104	
22/06/2051		21/06/2069		21/06/2085		22/06/2104		00/00/0000	
मंगल	17/11/2044	राहु	04/03/2054	गुरु	10/08/2071	शनि	24/06/2088	बुध	19/11/2106
राहु	06/12/2045	गुरु	28/07/2056	शनि	20/02/2074	बुध	04/03/2091	केतु	16/11/2107
गुरु	12/11/2046	शनि	04/06/2059	बुध	28/05/2076	केतु	12/04/2092	शुक्र	16/09/2110
शनि	22/12/2047	बुध	21/12/2061	केतु	04/05/2077	शुक्र	13/06/2095	सूर्य	23/07/2111
बुध	18/12/2048	केतु	09/01/2063	शुक्र	03/01/2080	सूर्य	25/05/2096	चंद्र	19/08/2112
केतु	16/05/2049	शुक्र	08/01/2066	सूर्य	21/10/2080	चंद्र	24/12/2097		00/00/0000
शुक्र	16/07/2050	सूर्य	03/12/2066	चंद्र	20/02/2082	मंगल	02/02/2099		00/00/0000
सूर्य	21/11/2050	चंद्र	03/06/2068	मंगल	27/01/2083	राहु	10/12/2101		00/00/0000
चंद्र	22/06/2051	मंगल	21/06/2069	राहु	21/06/2085	गुरु	22/06/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 8 वर्ष 9 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।